RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

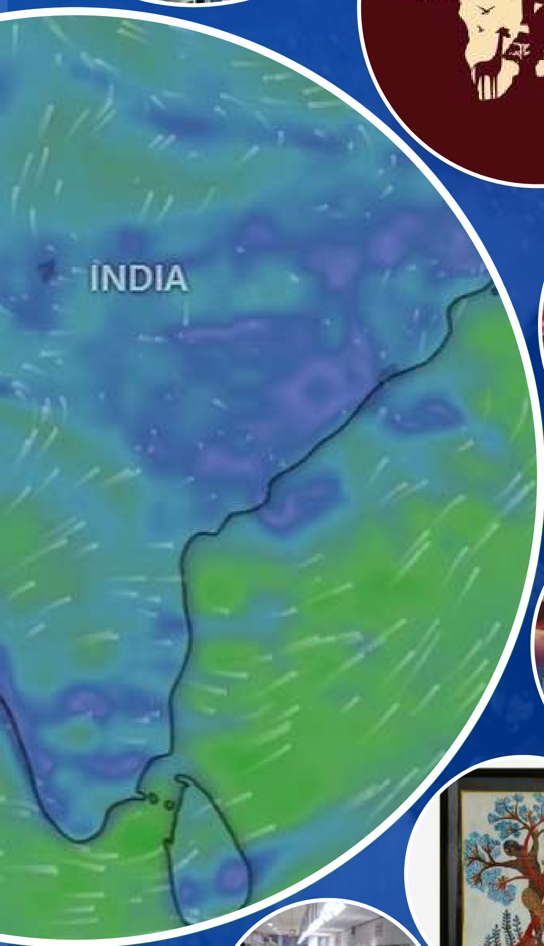

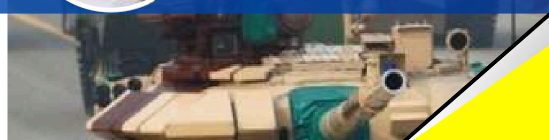

DATE
मई
29
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

मध्यम उद्यम 2025 / Medium Enterprises 2025

संदर्भ:

नीति आयोग ने हाल ही में **"Designing a Policy for Medium Enterprises"** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें **मध्यम उद्यमों (Medium Enterprises)** को भारत की अर्थव्यवस्था का **विकास इंजन** बनाने के लिए एक **व्यापक नीति रोडमैप** प्रस्तुत किया गया है। यह रिपोर्ट इस क्षेत्र की चुनौतियों, अवसरों और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता को उजागर करती है, ताकि ये उद्यम देश के आर्थिक विकास में अधिक योगदान दे सकें।

मध्यम उद्यमों की परिभाषा (Medium Enterprises):

- **वैधानिक वर्गीकरण:** मध्यम उद्यम वे होते हैं जिनमें
  - संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश ₹50 करोड़ तक हो, और
  - वार्षिक टर्नओवर ₹250 करोड़ तक हो।
- **MSME में अनुपात:** भारत में पंजीकृत 6 करोड़ से अधिक MSMEs में से केवल **0.3%** ही मध्यम उद्यम की श्रेणी में आते हैं।

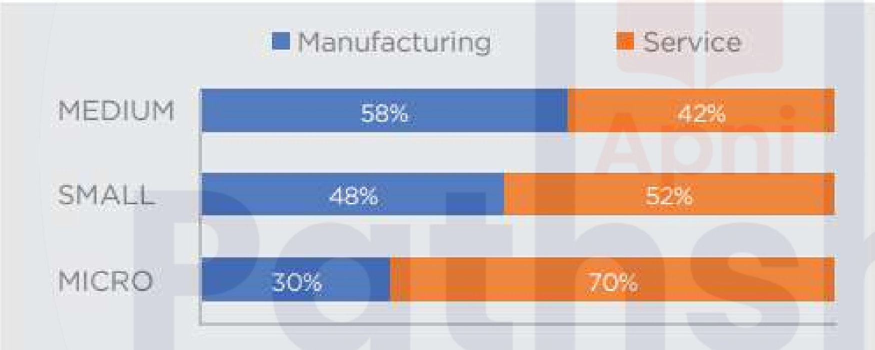

आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में मध्यम उद्यमों की भूमिका:

- **GDP में योगदान:** MSME क्षेत्र भारत की GDP में **29%** का योगदान देता है।
- **निर्यात में योगदान:** मध्यम उद्यम MSME निर्यात का लगभग **40%** योगदान करते हैं, जो उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है।
- **नवाचार और विस्तार की क्षमता:** ये उद्यम नवाचार-आधारित और विस्तार योग्य होते हैं, जिनमें भविष्य में बड़े उद्यम बनने की क्षमता होती है तथा ये आत्मनिर्भर भारत को सशक्त बनाते हैं।
- **महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भागीदारी:** ऑटो-कंपोनेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में मध्यम उद्यम **घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं** (value chains) में अहम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।
- **रोजगार सृजन:** MSMEs भारत की **60% से अधिक कार्यबल** को रोजगार देते हैं। उचित समर्थन मिलने पर मध्यम उद्यम अधिक औपचारिक और कुशल रोजगार सृजित कर सकते हैं।

मध्यम उद्यमों के सामने प्रमुख चुनौतियाँ-

- **वित्तीय पहुंच की कमी:** मध्यम उद्यमों की विशेष कार्यप्रणाली और पूंजी चक्र को ध्यान में रखकर बने **उपयुक्त वित्तीय साधनों** का अभाव है।
- **तकनीकी पिछड़ापन:** **Industry 4.0** जैसे आधुनिक तकनीकी उपकरणों को अपनाने में सीमितता और उन्नत विनिर्माण समाधान तक पहुंच की कमी है।
- **कमजोर अनुसंधान एवं विकास (R&D) प्रणाली:** विशेषकर क्लस्टर-आधारित और उच्च प्रभाव वाले परियोजनाओं के लिए नवाचार को बढ़ावा देने हेतु संस्थागत समर्थन का अभाव है।
- **परीक्षण अवसंरचना की कमी:** क्षेत्र-विशेष परीक्षण और प्रमाणन केंद्रों की अनुपस्थिति के कारण उत्पाद मानकीकरण और नियामकीय अनुपालन में कठिनाई होती है।
- **कौशल असंतुलन:** वर्तमान **प्रशिक्षण कार्यक्रम** क्षेत्रीय और औद्योगिक आवश्यकताओं से मेल नहीं खाते, जिससे आवश्यक कुशल मानव संसाधन की कमी रहती है।
- **डिजिटल विखंडन:** सरकारी योजनाओं और अनुपालन उपकरणों तक पहुंच के लिए **केंद्रीकृत और उपयोग में सरल डिजिटल प्लेटफॉर्म** की कमी है।

MSME से जुड़ी भारत सरकार की प्रमुख योजनाएँ:

- **उद्योग रजिस्ट्रेशन पोर्टल (2020):** MSME पंजीकरण को आसान बनाकर उद्यमों को औपचारिक रूप देना।
- **पीएम विश्वकर्मा योजना (2023):** पारंपरिक कारीगरों को ऋण, प्रशिक्षण और डिजिटल सुविधा देना।
- **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम – PMEGP:** सूक्ष्म उद्यमों के ज़रिए स्वरोज़गार हेतु वित्तीय सहायता।
- **SFURTI योजना:** पारंपरिक उद्योगों को क्लस्टर बनाकर पुनर्जीवित करना और अवसंरचना सुधारना।

भारत और अफ्रीका डिजिटल नवाचार / India and Africa Digital Innovation

संदर्भ:

भारत और अफ्रीका अब **डिजिटल नवाचार (digital innovation)** को केंद्र में रखते हुए **विकास साझेदारी (development partnership)** के एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह साझेदारी न केवल तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देगी, बल्कि दोनों क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करेगी।

अफ्रीका की विकसित होती डिजिटल साझेदारी:

- **अफ्रीका दिवस (Africa Day):** 25 मई को मनाया जाने वाला यह दिन 1963 में अफ्रीकी एकता संगठन (Organisation of African Unity) की स्थापना की याद दिलाता है, जो **एकता, स्वतंत्रता और सतत विकास** के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।
- **डिजिटल नवाचार की प्राथमिकता:** अफ्रीका सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए डिजिटल नवाचार को प्राथमिकता दे रहा है, विशेष रूप से अफ्रीकी संघ की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति (2020–2030) के माध्यम से।
- **डिजिटल पहचान प्रणाली:** वर्तमान में **85% अफ्रीकी देशों** के पास डिजिटल सुविधाओं से युक्त राष्ट्रीय पहचान प्रणाली (National ID systems) है।
- **बायोमेट्रिक डेटा संग्रहण:** 70% से अधिक देश पहचान सत्यापन के लिए बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करते हैं, जो डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाता है।

भारत-अफ्रीका डिजिटल सहयोग:

- **प्रौद्योगिकी-केंद्रित मॉडल (Technology-Centric Model):** भारत अब पारंपरिक सहायता से आगे बढ़ते हुए **डिजिटल सह-निर्माण** पर जोर दे रहा है।
  - **Pan-African e-Network (2009):** सैटेलाइट और फाइबर-ऑप्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के ज़रिए **टेलीमेडिसिन और टेली-एजुकेशन सेवाएँ** प्रदान की गईं।
- **सुशासन-केंद्रित मॉडल (Governance-Centric Model):** भारत अफ्रीकी देशों के साथ **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)** पर सहयोग कर रहा है, जिसमें शामिल हैं:
  - **आधार, UPI, CoWIN, DIKSHA (शिक्षा हेतु)**
  - स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार **सह-विकसित सुशासन समाधान**
- **विकास-केंद्रित मॉडल (Development-Centric Model):** अफ्रीका भारत के **ओपन, स्केलेबल और सुलभ DPI मॉडलों** में बढ़ती रुचि दिखा रहा है।

प्रमुख हालिया साझेदारियाँ:

- **टोगो (2021):** अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बेंगलुरु (IIIT-B) के सहयोग से ओपन-सोर्स आधारित राष्ट्रीय डिजिटल ID प्रणाली लागू की गई।
- **जाम्बिया (2023):** Centre for Digital Public Infrastructure के साथ मिलकर Smart Zambia Initiative को आगे बढ़ाया गया।
- **नामीबिया (2024):** भारत के **NPCI** के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कर UPI-जैसी त्वरित भुगतान प्रणाली के निर्माण पर काम शुरू किया।
- **घाना:** स्थानीय भुगतान प्रणाली को UPI से जोड़कर निर्बाध लेन-देन की दिशा में कदम।
- **ज़ांज़ीबार:** IIT मद्रास का पहला विदेशी परिसर ज़ांज़ीबार में स्थापित हुआ, जो **AI और डेटा साइंस** जैसी डिजिटल शिक्षा से जुड़ी पहल को दर्शाता है।

G20 ट्रोइका साझेदारी:

- भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका ने DPI को वैश्विक असमानताओं को पाटने और **UN SDGs को तेज़ी से प्राप्त करने** का माध्यम बताया।
- उनके साझा घोषणा-पत्र में ओपन, मॉड्युलर, इंटरऑपरेबल और स्केलेबल डिजिटल सिस्टम की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया, जो समावेशिता और अनुकूलन को प्राथमिकता दें।

अफ्रीका में डिजिटल परिवर्तन की चुनौतियाँ –:

1. बुनियादी ढांचे की कमी
2. ऊर्जा आपूर्ति में बाधाएँ
3. डिजिटल सेवाओं की महंगाई
4. वैश्विक डिजिटल खाई
5. डिजिटल पहुंच में लैंगिक असमानता
6. डिजिटल साक्षरता की कमी
7. नीतिगत और विनियामक बाधाएँ

पुनर्योजी ब्रेकिंग प्रणाली / Regenerative Braking System

संदर्भ:

भारत ने देश का पहला 9000 हॉर्सपावर (HP) वाला विद्युत मालवाहक इंजन गुजरात के दाहोद में लॉन्च किया है, जो पुनरुत्पादक ब्रेकिंग (regenerative braking) क्षमता से सुसज्जित है।

Dahod-9000 इलेक्ट्रिक इंजन: -

निर्माण स्थान: दाहोद, गुजरात में निर्मित, जर्मन इंजीनियरिंग कंपनी **Siemens** के सहयोग से।

शक्ति और क्षमता:

- **9000 हॉर्सपावर (HP)** की क्षमता वाला शक्तिशाली इंजन।
- **5800 टन** तक माल ढोने की क्षमता।

तकनीकी विशेषताएँ:

- **पुनरुत्पादक ब्रेकिंग प्रणाली:** ब्रेक लगाने पर इंजन जनरेटर की तरह कार्य करता है और बिजली पैदा करता है।
- **छह-धुरी (Six-axle) इलेक्ट्रिक इंजन**।
- औसत गति: **75 किमी/घंटा** | अधिकतम गति: **120 किमी/घंटा**।
- **कोई कंपन या शोर नहीं** – बेहद स्मूद संचालन।

प्रमुख लाभ:

- **उच्च गुणवत्ता, कम लागत**
- **उच्च निर्यात संभावना**
- **माल ढुलाई** को बढ़ावा
- **CO_2 उत्सर्जन में कमी** और पर्यावरण हितैषी समाधान

रिजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम कैसे कार्य करता है?

- **गतिज ऊर्जा रूपांतरण:** जब वाहन गति में होता है, तो उसमें **गतिज ऊर्जा** (Kinetic Energy) होती है। ब्रेक लगाने पर यह प्रणाली सक्रिय हो जाती है।
- **मोटर का जनरेटर की तरह कार्य करना:** जो इलेक्ट्रिक मोटर सामान्यत: पहियों को चलाती है, वह ब्रेकिंग के दौरान उल्टा कार्य करती है और जनरेटर बन जाती है। यह वाहन की गतिज ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है।
- **ऊर्जा का भंडारण:** ब्रेकिंग से उत्पन्न विद्युत ऊर्जा को वाहन की बैटरी या सुपरकैपेसिटर में संग्रहित किया जाता है।
- **ऊर्जा का पुन:** उपयोग: संग्रहित ऊर्जा का उपयोग बाद में वाहन को चलाने में किया जाता है, जिससे बाहरी स्रोतों से कम ऊर्जा लेनी पड़ती है और वाहन की कुल दक्षता में सुधार होता है।

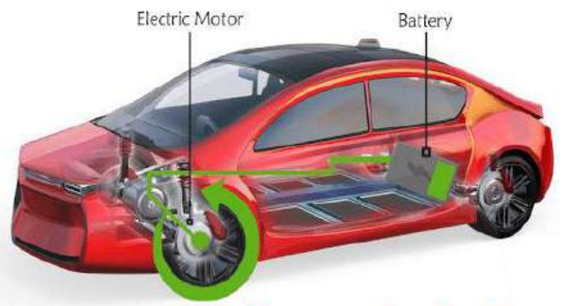

रिजेनेरेटिव ब्रेकिंग के लाभ:

- **ऊर्जा दक्षता में सुधार एवं उत्सर्जन में कमी:** ऊर्जा को पुन: प्राप्त और पुन: उपयोग करके वाहन की कुल ऊर्जा खपत कम होती है और गर्मी का उत्सर्जन घटता है।
- **ब्रेक का कम क्षरण:** पारंपरिक घर्षण ब्रेक पर निर्भरता कम होने से ब्रेक के पुर्जों का क्षरण घटता है, जिससे **रखरखाव की लागत कम होती है**।

सीमाएँ:

- **ऊर्जा पुन: प्राप्ति की दक्षता में परिवर्तन:** वाहन की गति कम होने पर ऊर्जा पुन: प्राप्ति की दक्षता घट जाती है क्योंकि कम गतिज ऊर्जा उपलब्ध होती है।
- **पूर्ण ब्रेकिंग विकल्प नहीं:** रिजेनेरेटिव ब्रेकिंग अकेले वाहन को पूरी तरह रोक नहीं पाता, इसलिए पारंपरिक ब्रेकिंग सिस्टम की आवश्यकता बनी रहती है।

भारत में निर्मित पाँचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान / Fifth generation fighter aircraft built in India

संदर्भ:

रक्षा मंत्री ने स्वदेशी पाँचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट परियोजना – एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) – के क्रियान्वयन को आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

भारत में निर्मित पाँचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान:

क्या है यह ?

- एक **अत्याधुनिक स्टील्थ-सक्षम (stealth-enabled) फाइटर जेट**, जिसे **भारतीय वायु सेना (IAF)** की **गहराई तक स्ट्राइक** और **एयर सुपीरियॉरिटी** क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन और निर्मित किया जा रहा है।
- यह विमान **स्वदेशी तकनीकी विशेषज्ञता** और **स्ट्रैटेजिक आत्मनिर्भरता** का प्रतीक होगा।

संबंधित संस्थाएँ:

- **रक्षा मंत्रालय (MoD)**
- **DRDO (Defence Research and Development Organisation)**
- **ADA (Aeronautical Development Agency)**
- **HAL (Hindustan Aeronautics Limited)**

प्रमुख विशेषताएँ:

- **स्टील्थ तकनीक:** रडार पर दिखाई न देने के लिए कम रेडार क्रॉस-सेक्शन।
- **एडवांस्ड एवियोनिक्स:** सेंसर्स का एकीकरण और डेटा फ्यूज़न।
- **सुपर क्रूज़ क्षमता:** आफ्टरबर्नर के बिना स्थायी सुपरसोनिक गति।
- **नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणाली:** इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और मिशन डेटा नेटवर्किंग।
- **मल्टी-रोल क्षमताएँ:**
  - **एयर-टू-एयर**
  - **एयर-टू-ग्राउंड**
  - **सर्वेइलेंस मिशन**

एएमसीए (AMCA) – भारत का स्वदेशी पाँचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान-

क्या है AMCA?

- **Advanced Medium Combat Aircraft (AMCA)** भारत का **फाइव्थ जनरेशन स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर जेट** है।
- यह **MiG** और **Jaguar** जैसे पुराने विमानों को रिप्लेस करेगा और **LCA Tejas** तथा **MRFA** के साथ मिलकर काम करेगा।

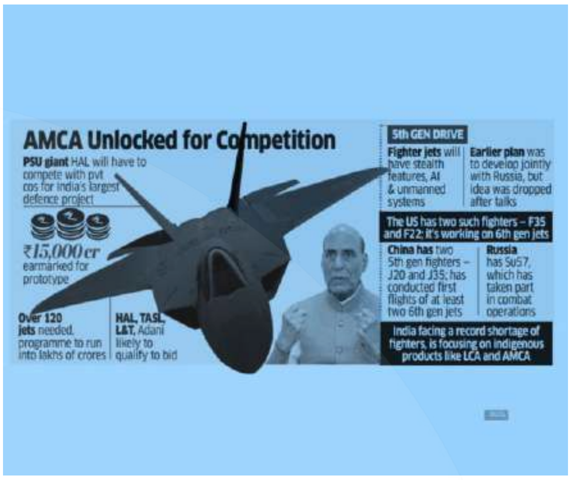

AMCA की विशेषताएँ:

- **स्टील्थ डिज़ाइन:** रडार-अवशोषक सामग्री, **इंटरनल वेपन बे**।
- **एडवांस्ड एवियोनिक्स:**
  - **AESA रडार (Active Electronically Scanned Array)**
  - **AI-समर्थित उड़ान नियंत्रण प्रणाली**
  - **सेंसर फ्यूज़न**
- **ट्विन इंजन कॉन्फ़िगरेशन:** सुपर क्रूज़ और उच्च गतिशीलता के लिए।
- **मल्टीरोल ऑपरेशन:**
  - वायु श्रेष्ठता
  - ज़मीनी हमला
  - टोही (Reconnaissance)
- **डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर प्रणाली:** उन्नत कॉकपिट इंटरफेस के साथ।

निष्कर्ष:

AMCA और भारत में विकसित 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट, भारत को सुरक्षा क्षेत्र में रणनीतिक आत्मनिर्भरता प्रदान करेंगे, साथ ही यह देश की रक्षा निर्यात क्षमता को भी मज़बूती देंगे।

भारत में मानसून / Monsoon in India

संदर्भ:

इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सामान्य तिथि से काफी पहले दस्तक दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने घोषणा की है कि केरल में मानसून 24 मई को पहुंच गया, जो 2009 के बाद अब तक की सबसे जल्दी शुरुआत है।

भारत में मानसून की शुरुआत (Onset of Monsoon):

भारत में मानसून वर्षा ऋतु आमतौर पर **जून से सितंबर** तक रहती है। हालांकि, इसका आगमन और तीव्रता **भौगोलिक क्षेत्रों** के अनुसार भिन्न होती है। मानसून का आगमन (onset) न केवल **कृषि और जल प्रबंधन** के लिए, बल्कि **आर्थिक योजना** के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

पूर्व-मानसून अवधि (Pre-Monsoon Period): मार्च से मई

- इस दौरान **सूर्य की तीव्रता** के कारण पूरे देश में तापमान बढ़ता है।
- **भूमध्यरेखीय क्षेत्र की भूमि महासागरों की तुलना में तेजी से गर्म होती है**, जिससे उत्तर भारत के ऊपर एक **तीव्र निम्न-दाब क्षेत्र** विकसित होता है।
- यह निम्न-दाब क्षेत्र मानसून की शुरुआत के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून का आगमन (End of May to Mid-June)

- मानसून की शुरुआत **अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी** में होती है।
- **भारतीय महासागर से नमी से भरी हवाएँ** इस निम्न-दाब क्षेत्र की ओर आकर्षित होती हैं, जिससे **मानसून ट्रफ** बनता है।
- यह हवाएँ भारत में **मुख्य वर्षा ऋतु** की शुरुआत करती हैं।

मानसून के आगमन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक:

1. **भारतीय भूभाग का तीव्र ऊष्मन:** यह तीव्र निम्न-दाब क्षेत्र के निर्माण में सहायक होता है।
2. **ITCZ (Inter-Tropical Convergence Zone) का उत्तर की ओर खिसकना:** यह रेखा मानसून ट्रफ के अनुरूप चलती है और वर्षा को प्रेरित करती है।
3. **Subtropical Westerly Jet Stream का पीछे हटना:** इसके हटने से मानसूनी हवाओं को भारत में प्रवेश करने के लिए मार्ग मिलता है।
4. **दक्षिण-पूर्व व्यापारिक हवाओं (SE Trade Winds) की दिशा में मोड़:** भूमध्यरेखा पार करते ही ये हवाएँ **भारतीय पश्चिमी तट की ओर मुड़ जाती हैं**, जिससे मानसून प्रारंभ होता है।

मानसून की प्रगति (Advancement: June to July)

- मानसून की शुरुआत सामान्यत: **केरल** से होती है और फिर **उत्तर दिशा** की ओर बढ़ता है।
- इस **"Monsoon Onset Line"** को मौसम विभाग द्वारा प्रतिदिन ट्रैक किया जाता है।

समयपूर्व मॉनसून आगमन के प्रमुख कारण

मैडेन-जूलियन ऑस्सीलेशन (Madden-Julian Oscillation - MJO):

- यह एक **महत्वपूर्ण महासागरीय-वायुमंडलीय परिघटना** है जो भारतीय मानसून को गहराई से प्रभावित करती है।
- MJO में **बादल, हवा और दबाव की अशांति** पश्चिम से पूर्व दिशा में 4–8 m/s की गति से चलती है।
- इसकी अनुकूल स्थिति **भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा को बढ़ावा** देती है।

मस्करीन उच्च दबाव (Mascarene High):

- यह **दक्षिण हिंद महासागर** में मस्करीन द्वीपों के पास बना उच्च दबाव क्षेत्र होता है।
- इसके **तीव्रता में उतार-चढ़ाव** भारत के पश्चिमी तट पर भारी वर्षा में सहायक होते हैं।

ऊर्ध्वपातन (Convection):

- वायुमंडल में **ऊष्मा और आर्द्रता का ऊर्ध्वगामी संचार** वर्षा उत्पन्न करता है।
- मई मध्य में हरियाणा में बना एक कंवेक्टिव सिस्टम दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़कर दिल्ली में वर्षा का कारण बना।

सोमाली जेट (Somali Jet):

- यह **कम ऊँचाई वाली हवाओं की पट्टी** होती है जो मारीशस और मेडागास्कर से चलकर **अरब सागर** तक पहुँचती है।
- मजबूत सोमाली जेट भारतीय उपमहाद्वीप पर **मानसूनी हवाओं को सशक्त बनाता है**।

हीट-लो (Heat Low):

- उत्तरी गोलार्द्ध में सूर्य के स्थानांतरण से **अरब सागर और पाकिस्तान क्षेत्र में कम दबाव क्षेत्र** बनता है।
- यह **नमी युक्त हवाओं को खींचने वाला 'सक्शन डिवाइस'** की तरह कार्य करता है, जिससे मानसून मज़बूत होता है।

मानसून ट्रफ (Monsoon Trough):

- यह एक **लंबवत निम्न-दाब क्षेत्र** होता है जो हीट-लो से लेकर बंगाल की उत्तरी खाड़ी तक फैला होता है।
- इसके **उत्तर-दक्षिण झूलने** से कोर मानसून क्षेत्र में वर्षा होती है।
- साथ ही, **मानसून ऑन्सेट वॉर्टेक्स** (अरब सागर में चक्रवाती गठन) भी महत्वपूर्ण होता है।

न्यूट्रल एल-नीनो दक्षिणी दोलन (ENSO) स्थितियाँ:

- ENSO की न्यूट्रल स्थिति इस अवधि में देखी गई, जो सामान्य या मजबूत मानसून को **समर्थन प्रदान करती है**।

शुगर बोर्ड / Sugar Boards

संदर्भ:

बच्चों में चीनी सेवन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने देशभर के 24,000 से अधिक स्कूलों में **'शुगर बोर्ड्स' (Sugar Boards)** स्थापित करना अनिवार्य किया है।

क्या हैं शुगर बोर्ड्स?

- शुगर बोर्ड्स स्कूलों में लगाए जाने वाले **दृश्य प्रदर्शन बोर्ड** हैं जो लोकप्रिय पैकेज्ड खाद्य और पेय पदार्थों (जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, जूस आदि) में मौजूद **चीनी की मात्रा** को दर्शाते हैं।
- ये बोर्ड्स **WHO द्वारा अनुशंसित दैनिक चीनी सेवन सीमा**, **अत्यधिक चीनी सेवन से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम** (जैसे मोटापा, डायबिटीज़) और **स्वस्थ विकल्पों** की जानकारी भी देते हैं।

भारत में शुगर बोर्ड्स की आवश्यकता क्यों है?

1. **Type-2 डायबिटीज़ में खतरनाक वृद्धि: राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR)** ने बच्चों में Type-2 डायबिटीज़ के मामलों में तेज़ वृद्धि को उजागर किया है – जो पहले केवल वयस्कों में आम था।
2. **उच्च चीनी सेवन**
   - **4–10 वर्ष के बच्चे**: दैनिक कैलोरी का 13% चीनी से।
   - **11–18 वर्ष के किशोर**: दैनिक कैलोरी का 15% चीनी से – जो कि **WHO द्वारा सुझाए गए 5% की सीमा से तीन गुना अधिक** है।
3. **डायबिटीज़ की घटनाएं**
   - भारत में बच्चों व किशोरों में **Type-2 डायबिटीज़ का अनुमानित दर: 397/लाख**
   - **विश्व में दूसरा स्थान**, केवल **चीन (734/लाख)** के बाद।
4. **चीनी के अधिशेष का माहौल:** स्कूलों व आसपास के इलाकों में **मीठे पेय, स्नैक्स और प्रोसेस्ड फूड्स की आसान उपलब्धता** बच्चों को अनजाने में अत्यधिक चीनी सेवन की ओर धकेल रही है।

भारत में खाद्य मानकों के लिए नियामक ढांचा:

FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण)

- **भूमिका**: भारत में खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग और पोषण से संबंधित दावों (जैसे चीनी, वसा और नमक की मात्रा) की निगरानी करता है।
- **अधीनस्थ कानून**: *Food Safety and Standards Act, 2006* के अंतर्गत कार्य करता है।

HFSS (High Fat, Sugar, and Salt) मानकों की स्थिति:

- **वर्तमान स्थिति:** 2025 में एक वैज्ञानिक समिति गठित की गई थी जो स्कूल भोजन के लिए HFSS परिभाषित मानक तय करने हेतु गठित हुई, लेकिन अब तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन सकी है।
- **वर्तमान में प्रयुक्त मानक:** भारत WHO के अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करता है क्योंकि कोई भारत-विशिष्ट HFSS कट-ऑफ अभी तय नहीं हुआ है।

वर्तमान विनियम और दिशा-निर्देश

- **"Low in Sugar" दावा:** कोई खाद्य उत्पाद "कम चीनी वाला" तभी कहलाता है यदि उसमें 100 ग्राम में ≤5 ग्राम चीनी हो।
- **WHO अनुशंसा:** वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए प्रतिदिन अधिकतम 25 ग्राम (लगभग 6 चम्मच) चीनी सेवन की सलाह।

स्वास्थ्य-तारांकित मूल्यांकन

- **स्थिति:** एक **"Front-of-Pack" लेबलिंग सिस्टम** का विकास चल रहा है, जिसमें **स्वास्थ्य तारांकित रेटिंग** दी जाएगी।
  - **अभी तक लागू नहीं** किया गया है, परंतु यह उपभोक्ताओं को खाद्य उत्पादों के पोषण स्तर की जानकारी देने के लिए अहम पहल साबित हो सकती है।

मधुबनी और गोंड चित्रकला / Madhubani and Gond Paintings

संदर्भ:

'कलाआत्मक प्रवास कार्यक्रम - कला उत्सव' के तहत गोंड कला और मधुबनी कला के कलाकारों ने राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की।

मधुबनी और गोंड चित्रकला:

मधुबनी चित्रकला (Madhubani Paintings):

- **उत्पत्ति स्थल:** बिहार के **मधुबनी ज़िले** में स्थित **मिथिला क्षेत्र** से उत्पन्न।
- **विशेषताएँ:**
  - **जटिल रेखाचित्रों** से भरपूर, जिनमें चटकीले और मिट्टी के रंग प्रयोग होते हैं।
  - जनजातीय रूपांकनों (tribal motifs) और हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित विषयवस्तु।
  - परंपरागत रूप से विवाह के कमरे की दीवारों पर महिलाओं द्वारा बनाई जाती थीं।
- **प्रमुख विषय:**
  - **विवाह और प्रजनन** का प्रतीकात्मक चित्रण।
  - मानव आकृतियाँ, पशु-पक्षी, वृक्ष, फूल आदि को प्रमुखता से दर्शाया जाता है।

गोंड चित्रकला (Gond Paintings):

जनजातीय पृष्ठभूमि: गोंड भारत की प्रमुख जनजातियों में से एक हैं, मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में निवास करते हैं।

ऐतिहासिक सन्दर्भ:

- **अकबरनामा** में गोंड राज्य **गढ़ा कटंगा** (70,000 गाँवों वाला साम्राज्य) का उल्लेख मिलता है।
- गोंड जनजाति **द्रविड़ नस्ल** से संबंधित है, जो **संगीत, नृत्य और कथावाचन** में रुचि रखते हैं।

चित्रकला की विशेषताएँ:

- इसे "थिंगना" (Thingna) भी कहा जाता है।
- घोड़े, हाथी, पक्षी, मानव आकृतियाँ व ज्यामितीय डिजाइन सामान्य रूप से चित्रित किए जाते हैं।
- प्राकृतिक रंगों (सफेद, लाल, पीला, काला) का प्रयोग किया जाता है।

प्रयोग और सजावट:

- **दरवाज़ों, खिड़कियों और आँगनों** के आसपास चित्रित।
- **गाय के गोबर और चावल की भूसी** से उभरे हुए डिज़ाइन बनाए जाते हैं

भारत में कपास उद्योग / Cotton Industry in India

संदर्भ:

भारत में कपास उत्पादन के 2025-26 सीज़न में 2% घटने की संभावना है। अमेरिका के कृषि विभाग (USDA) के अनुसार, इसका मुख्य कारण यह है कि किसान अब मक्का और मूंगफली जैसी अधिक लाभदायक फसलों की ओर रुख कर रहे हैं।

भारत में कपास उद्योग (Cotton Industry in India):

- **आर्थिक महत्व:**
  - कपास भारत की एक **महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसल** है।
  - **विश्व उत्पादन में 24%** हिस्सेदारी के साथ यह किसानों और कामगारों की **आजिविका का मुख्य स्रोत** है।
- **विदेशी मुद्रा अर्जन:** कच्चे कपास, अर्धनिर्मित उत्पादों और तैयार वस्त्रों के निर्यात के माध्यम से भारत के लिए महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जित करता है।
- **वैश्विक स्थिति:**
  - भारत के पास विश्व में सबसे अधिक कपास क्षेत्रफल है।
  - उत्पादकता में 36वें स्थान पर है।
  - दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक और उपभोक्ता है।
- **कपास की प्रजातियाँ:** भारत में कपास की **चारों प्रमुख प्रजातियाँ** उगाई जाती हैं:
  - Gossypium arboreum
  - Gossypium herbaceum (एशियाई कपास)
  - Gossypium barbadense (मिस्र कपास)
  - Gossypium hirsutum (अमेरिकन अपलैंड कपास)
- **प्रमुख उत्पादक क्षेत्र (Zones):**
  - **उत्तर भारत क्षेत्र** (जैसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान)
  - **मध्य भारत क्षेत्र** (जैसे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात)
  - **दक्षिण भारत क्षेत्र** (जैसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु)

केले की खेती / Bananas Cultivation

संदर्भ:

हाल ही में यूके की गैर-सरकारी संस्था क्रिश्चियन एड (Christian Aid) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान से विश्व के 60% बेहतरीन केले उत्पादक क्षेत्र खतरे में पड़ सकते हैं।

रिपोर्ट का निष्कर्ष:

- जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक मौसम, और जलवायु-आधारित कीट भारत सहित केले के उत्पादन क्षेत्रों के लिए खतरा बन रहे हैं।
- रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि **2050 तक भारत में केले की पैदावार में गिरावट** देखने को मिल सकती है।
- इससे उत्सर्जन में तेजी से कटौती और किसानों को अधिक समर्थन देने की आवश्यकता बताई गई है।

केला उत्पादन की वैश्विक स्थिति:

- **केला दुनिया की चौथी सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल** है – गेहूं, चावल और मक्का के बाद।
- **भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक** देश है, इसके बाद चीन का स्थान है।
- **केले की उपयुक्त जलवायु:** 15°C से 35°C के बीच तापमान और पर्याप्त जल की आवश्यकता होती है।
- **लैटिन अमेरिका और कैरेबियन** क्षेत्र **वैश्विक केला निर्यात में 80%** का योगदान देते हैं।

भारत की निर्यात स्थिति:

- भारत **वैश्विक उत्पादन में 26.45% (35.36 मिलियन मीट्रिक टन)** योगदान देता है।
- फिर भी **भारत का वैश्विक केला निर्यात में हिस्सा मात्र 1%** है।

भारत के शीर्ष केला उत्पादक राज्य (2022-23):

1. **आंध्र प्रदेश** (सबसे बड़ा उत्पादक)
2. **महाराष्ट्र**
3. **कर्नाटक**
4. **तमिलनाडु**
5. **उत्तर प्रदेश**

इनवार मिसाइल / Invar Missile

संदर्भ:

रक्षा मंत्रालय 500 इनवार एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों (ATGM) की खरीद को अंतिम रूप दे रहा है। यह सौदा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) से किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है।

इनवार मिसाइल (Invar Missile):

परिचय: इनवार एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (ATGM) है जिसे टैंक प्लेटफॉर्म से दागा जाता है।

- यह मिसाइल **T-90 टैंकों की बैरल से फायर** की जा सकती है और भारतीय सेना में सक्रिय रूप से तैनात है।
- यह **लंबी दूरी से सटीक वार** करने में सक्षम है और **Explosive Reactive Armour (ERA)** से लैस दुश्मन के टैंकों को निष्क्रिय कर सकती है।

निर्माण और उत्पादन:

- मूल रूप से **रूस की Rosoboronexport** द्वारा विकसित।
- भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) द्वारा भारत में लाइसेंस के तहत निर्माण।

तकनीकी विशेषताएँ:

- **नियंत्रण प्रणाली:** अर्ध-स्वचालित (semi-automatic), **लेज़र बीम राइडिंग**, जैमिंग से सुरक्षित।
- **वारहेड:** टैंडम (Tandem) वारहेड – ERA को भेदने में सक्षम।
- **लक्ष्य क्षमताएं:**
  - स्थिर और गति कर रहे लक्ष्यों को भेद सकती है (गति सीमा: **70 किमी/घंटा तक**)
  - **उच्च हिट और किल संभावना**

विशिष्ट आंकड़े:

- **लंबाई:**
  - मिसाइल: **695 मिमी**
  - थ्रोइंग डिवाइस: **395 मिमी**
- **कैलिबर: 125 मिमी**
- **रेंज (दूरी): 5 किमी**
- **फ्लाइट टाइम: 17.6 सेकंड**
- **वजन:**
  - मिसाइल: **17.2 किग्रा**
  - थ्रोइंग डिवाइस: **7.1 किग्रा**

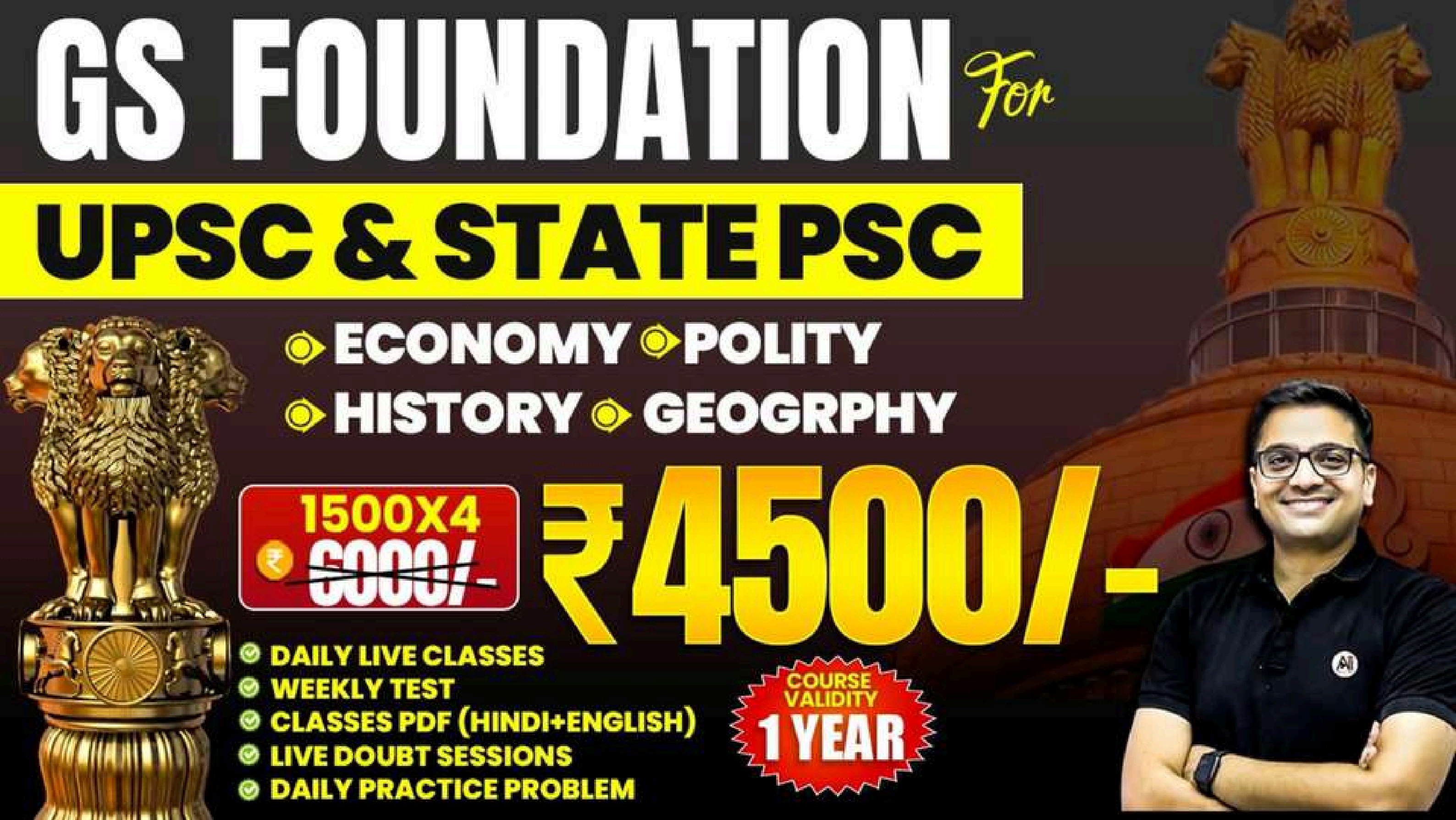
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

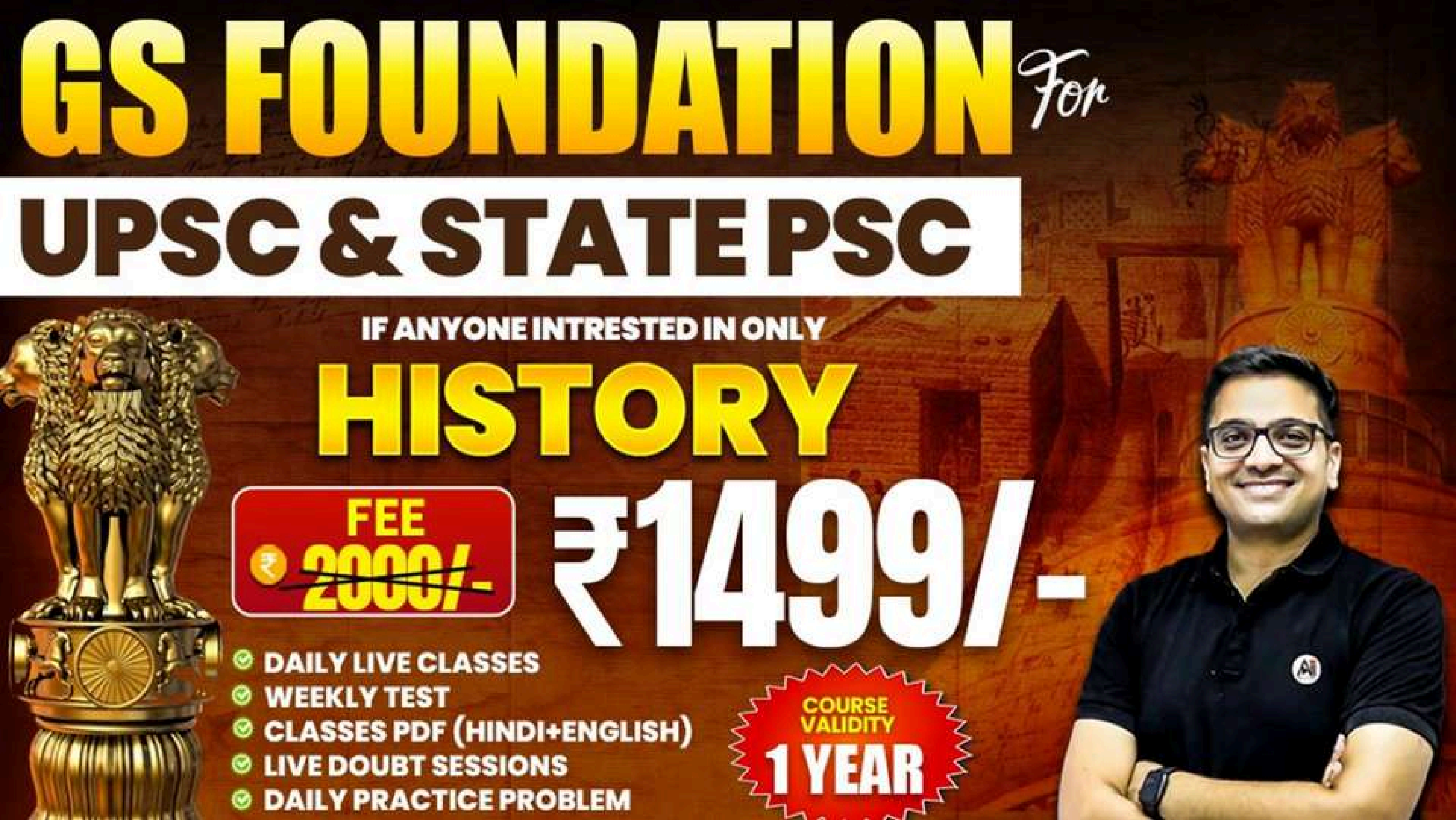
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/- Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

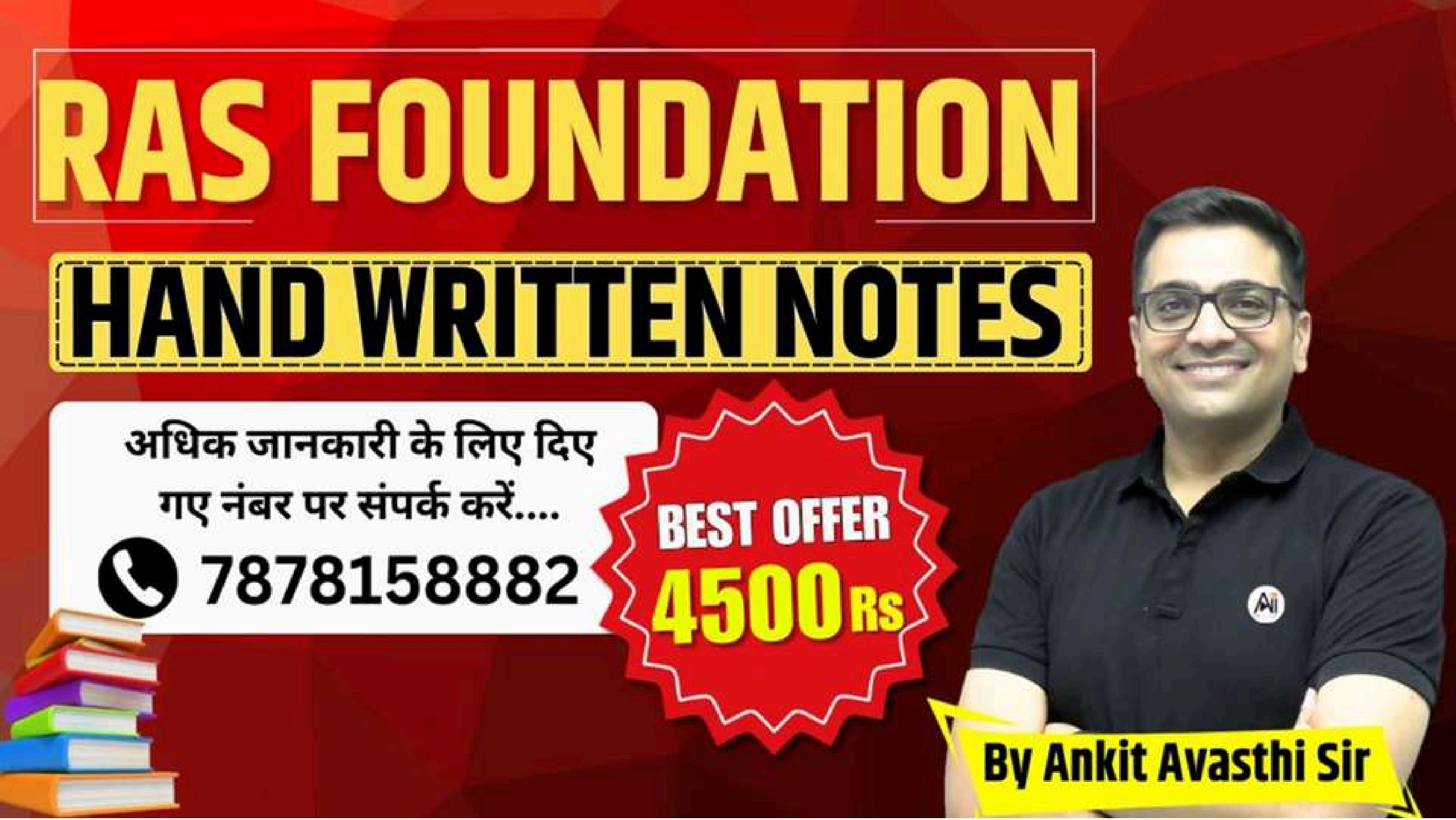
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA
Apni Pathshala
UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES
UPPSC
(TEST SERIES)
• 35+ MOCK TESTS
• 40+ PYQ'S
• 180+ TOPIC WISE TEST
• 60+ CURRENT AFFAIRS
299/- YEAR
RO/ARO
(TEST SERIES)
• 50+ MOCK TESTS
• 30+ PYQ'S
• 10+ TOPIC WISE TEST
• 65+ CURRENT AFFAIRS
299/- YEAR
BPSC
(TEST SERIES)
• 50+ MOCK TESTS
• 30+ PYQ'S
• 10+ TOPIC WISE TEST
• 65+ CURRENT AFFAIRS
299 YEAR
SSC (TEST SERIES)
• 30 MOCK TESTS
• 28+ YEAR PYP
• 12 SECTIONAL TEST
• 60+ CURRENT AFFAIRS
99/- YEAR
RPF (TEST SERIES)
• 40 MOCK TESTS
• 2 YEAR PYQ'S
• 4 SECTIONAL TEST
• 10 PRACTICE TEST
• 60 CURRENT AFFAIRS
99/- YEAR
Download | Application
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
Avasthiankit
AnkitAvasthiSir
kaankit
ANKIT AVASTHI SIR

HOW MAY I HELP YOU
CALL
CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: